डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– अप्रैल – 2016

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. वी. रामन् वि. वि., स्थापना वर्ष नवम्बर 2006.
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. ई. (कम्प्यूटर साईंस) बी. ई. (इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी) बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) बी. ई. (मेकनिकल) बी. ई. (सिविल) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) मास्टर ऑफ फिलॉसॉफी (विभिन्न पाठ्यक्रमों में संचालित) फैकल्टी ऑफ कॉमर्स (बी. काम.) (एम. काम.) (एम.बी.ए.) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी एम एस सी (आई टी) (मास्टर ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी) पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) एम. ए. (मास्टर ऑफ आर्ट्स) फैकल्टी ऑफ साईंस फैकल्टी ऑफ लॉ शोध पाठ्यक्रम दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रम
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा	हाँ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक

	सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाए (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप है?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाए, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकादमिक कांऊसिल का गठन किया गया है, जिसमें ,प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन

		कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। प्रबंध मंडल द्वारा समय-समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 07.01.2014 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग-अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र-छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय-समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क	अध्यादेशों के अनुकूल ही शुल्क लिया

	विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी की सूची (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय गैर परंपरागत ऊर्जा साधनों से बिजली उत्पादन करने और ऊर्जा के क्षेत्र में रिसर्च के लिये काम करने पर प्रयासरत् है। इसके लिये रिसर्च सेंटर और लाईब्रेरी के ऊपर 10 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाया गया है। इससे एक महीने में 1500 यूनिट बिजली उत्पादित की जायेगी, यहां पर सबसे आधुनिक तकनीक का सोलर प्लांट है, जिसमें बिजली स्टोरेज और सीधी खपत दोनों की सुविधा है। यहां रोजाना 50 यूनिट बिजली उत्पादित की जायेगी। जर्मनी की कंपनी ने यहां पर इनवर्टर लगाया है। – छत्तीसगढ़ युवा सूचना क्रांति योजना के तहत विश्वविद्यालय में एमटेक के विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरण किया गया, जिससे कि विद्यार्थी आज के दौर में जीवन के हर पड़ाव में तकनीक को हमेशा साथ लेकर चलें और खुद को अपडेट भी करते रहें। – दिनांक 5 अप्रैल 2016 को डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में आयोजित पीएचडी परिचय सम्मेलन में शोधार्थी ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने अपने अभिभाषण में

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी आंकड़ो के बारे में विस्तार से बताते हुये कहा कि वर्ष 2012 में सिर्फ 0.1 प्रतिशत शोधार्थियों को ही पीएचडी अवार्ड दिया गया था यह आंकड़े बेहद निराशाजनक है।

- डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब आईएएस, आईपीएस, छत्तीसगढ़ पीएससी, एसएससी, रेल्वे और व्यापमं द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमीनार में सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में जानकारी दी गई। सीवीआरयू के विद्यार्थियों के लिये विश्वविद्यालय के तकनीकी विषयों की पढ़ाई के साथ ही प्रशासनिक सेवा की तैयारी कराने का जिम्मा उठाया है। इसके लिये हर संकाय के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की पढ़ाई कराई जायेगी।

- नवभारत समाचार पत्र द्वारा हेलमेट के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को हेलमेट का वितरण किया गया।

- सत्र 2015–16 की शैक्षणिक गतिविधियों एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना। नवीन पाठ्यक्रमोंके अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।

विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकादमिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	–	GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

शैलेष पाण्डेय
कुलसचिव

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G), Ph. : +91-7753-253801
Fax : 07752-253728, email : info@cvru.ac.in
visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.168 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2016 बिलासपुर, दिनांक : 04.05.16

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजि विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का माह अप्रैल – 2016 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा माह अप्रैल – 2016 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

शैलेष पाण्डेय
कुलसचिव